108 स्वमान की माला

मैं अशरीरी आत्मा हूँ।
मैं अकाल तख्तनशीन हूँ।
मैं अखण्ड महादानी हूँ।
मैं अथक सेवाधारी हूँ।
मैं अन्तर्मुखी हूँ।
मैं अर्जुन हूँ।
मैं आकर्षण मूर्त हूँ।
मैं अव्यक्त फरिश्ता हूँ।
मैं अवतरित आत्मा हूँ।
मैं अष्ट शक्तिधारी
इष्ट देव हूँ
मैं आधारमूर्त हूँ।
मैं आशाओं का दीपक हूँ।
मैं आज्ञाकारी हूँ।
मैं इच्छा मात्रम् अविद्या हूँ।
मैं उदाहरण मूर्त हूँ।
मैं एकांतवासी हूँ
मैं कम्बाइण्ड हूँ।
मैं कर्मयोगी हूँ।
मैं कर्मेन्द्रियजीत हूँ।
मैं खुदा दोस्त हूँ।
मैं खुशनसीब हूँ।
मैं गॉडली स्टूडेन्ट हूँ।
मैं चरित्रवान हूँ।
मैं जगतजीत हूँ।
मैं जगतमाता हूँ।
मैं जहान का नूर हूँ।
मैं ज्वालामुखी आत्मा हूँ।
मैं ट्रस्टी हूँ।
मैं डबल अहिंसक हूँ।
मैं डबल ताजधारी हूँ।
मैं चतुर्भुज विष्णु हूँ।

मैं त्रिनेत्री हूँ।
मैं डबल लाइट हूँ।
मैं तकदीरवान हूँ।
मैं त्रिकालदर्शी हूँ
मैं त्रिलोकीनाथ हूँ।
मैं दिल तख्तनशीन हूँ।
मैं बाबा के नयनों
का नूर हूँ।
मैं नॉलेजफुल हूँ।
मैं निर्भय आत्मा हूँ।
मैं निराकारी, निर्विकारी,
निरंहकारी हूँ।
मैं निवारण स्वरूप हूँ।
मैं निर्विघ्न आत्मा हूँ।
मैं निश्चयबुद्धि आत्मा हूँ।
मैं नि:स्वार्थ सेवाधारी हूँ।
मैं नूरे रत्न हूँ।
मैं पद्मापद्म भाग्यशाली
आत्मा हूँ।
मैं परमात्म पालना की
अधिकारी आत्मा हूँ।
मैं पवित्र आत्मा हूँ।
मैं पूर्वज आत्मा हूँ।
मैं पूज्य आत्मा हूँ।
मैं पुण्य आत्मा हूँ।
मैं फरमानबरदार हूँ।
मैं बन्धनमुक्त हूँ।
मैं निमित हूँ करन-
करावनहार बाबा है।
मैं बाप की छत्रछाया में
रहने वाला हूँ।
मैं बाप समान हूँ।

मैं मास्टर ब्रह्मा हूँ।
मैं मरजीवा हूँ।
मैं महान आत्मा हूँ।
मैं महादानी हूँ।
मैं मधुबन वासी हूँ।
मैं मर्सीफुल हूँ।
मैं मास्टर रचयिता हूँ।
मैं मास्टर क्षमा का
सागर हूँ।
मैं यज्ञ रक्षक हूँ
मैं मायाजीत हूँ।
मैं माइट हाउस हूँ।
मैं मेहमान हूँ।
मैं मास्टर बीजरूप हूँ
मैं राजयोगी हूँ।
मैं राजऋषि हूँ।
मैं रूहे गुलाब हूँ।
मैं लॉ मेकर हूँ।
मैं लाइट हाउस हूँ।
मैं व्यर्थ विकल्प
विकारों का विनाश
करने वाला शंकर हूँ।
मैं बेगमपुर का बादशाह हूँ।
मैं फखुर में रहने वाला
बेफिकर बादशाह हूँ।
मैं स्वमान की शान में रहने
वाली श्रेष्ठ आत्मा हूँ।
मैं डायरेक्टर बाप के
डायरेक्शन पर एक्ट
करने वाला हीरो
एक्टर हूँ।
मैं मास्टर ज्ञानसूर्य हूँ।

मैं विजयी रत्न हूँ।
मैं विश्व कल्याणकारी हूँ।
मैं सन्तुष्टमणि हूँ।
मैं सफलता मूर्त हूँ।
मैं फ्राकदिल हूँ।
मैं सर्व प्राप्ति सम्पन्न हूँ।
मैं सर्व सिद्धि स्वरूप हूँ।
मैं सर्व श्रेष्ठ आत्मा हूँ।
मैं सूर्यवंशी हूँ।
मैं सूक्ष्मवतन वासी हूँ।
मैं स्वराज्य अधिकारी हूँ।
मैं स्वदर्शन चक्रधारी हूँ।
मैं शान्तिदूत हूँ।
मैं शिव शक्ति हूँ।
मैं श्रेष्ठ आत्मा हूँ।
मैं हर्षितमूर्त हूँ।
मैं होलीएस्ट आत्मा हूँ।
मैं प्रभुप्रिय आत्मा हूँ
मैं खुदाई खिदमतगार हूँ।
मैं उम्मीदों का सितारा हूँ।
मैं संकल्प, स्वप्न, समय को
सफल करने वाला
सफलता मूर्त हूँ।
मैं स्वचिन्तन, शुभ चिन्तन,
शुभ चिन्तक आत्मा हूँ।
मैं परचिन्तन, परमत,
परदर्शन से मुक्त
आत्मा हूँ।
मैं वफादार आत्मा हूँ।
मैं वरदानी मूर्त हूँ।
मैं मनमोहन हूँ।
मैं मास्टर सर्वशक्तिवान हूँ।